एम.ए. (पूर्वार्द्ध)
हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक: 100
समय: 3 घंटे

प्रश्न-पत्र - तृतीय

निर्देश:

1. पूरे पाठ्यक्रम में से दस अति लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का (लगभग 30 से 50 शब्दों में) उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को 7 प्रश्नों के (लगभग 100-150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 35 अंक का होगा।
3. खंड "अ" और "आ" दोनों खण्डों से कम-से-कम दो-दो और कुल मिलाकर पांच प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। जिनमें से प्रत्येक खंड से कम-से-कम एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

पाठ्य विषय

खण्ड-अ : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

1. हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका .
   - क. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास
   - ख. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं
   - ग. हिंदी साहित्य का इतिहास: काल-विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल
   क. नामकरण और सीमा ख. परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक ग. वर्गीकरण: सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य घ. आदिकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ ङ. गद्य साहित्य च. प्रतिनिधि रचनाकार
3. हिंदी साहित्य का भक्तिकाल
   - क. परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक:
   - ख. भक्ति आंदोलन
   - ख. विभिन्न काव्य धाराएं : वैशिष्ट्य और अवदान
   - ग. संत काव्य धारा : वैशिष्ट्य और अवदान — सूफी काव्य धारा : वैशिष्ट्य और अवदान
     राम काव्य धारा : वैशिष्ट्य और अवदान — कृष्ण काव्य धारा : वैशिष्ट्य और अवदान
   - घ. गद्य साहित्य; भक्तिकालीन काव्य की उपलब्धियां; प्रतिनिधि साहित्यकार
4. हिंदी साहित्य का रीतिकाल
   क. नामकरण ख. परिवेश: ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक ग. दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रन्थों की परम्परा घ. विभिन्न काव्य धाराएं; रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध ङ. काव्यधाराओं की विशेषताएं च. गद्य साहित्य छ. प्रतिनिधि रचनाकार

खण्ड आ: आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

1. आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्वपीठिका
   क. परिवेश: ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक ख. 1857 ई० की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण
2. भारतेंदु युग: रचनाकार और साहित्यिक विशेषताएं
3. द्विवेदी युग: प्रतिनिधि रचनाकार एवं साहित्यिक विशेषताएं
4. छायावादी काव्य: प्रतिनिधि रचनाकार और साहित्यिक विशेषताएं
5. उत्तर छायावादी काव्य
   - प्रगतिवाद : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - प्रयोगवाद : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - नयी कविता : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - नवगीत : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
   - समकालीन कविता : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेषताएं
6. हिन्दी गद्य की निम्नलिखित विधाओं का विकास
   कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज
7. हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास
8. दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय
9. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय